रविवार 20 सितंबर, 2026

विषय — सामग्री

स्वर्ण पाठ: जकर्याह 4: 6

"न तो बल से, और न शक्ति से, परन्तु मेरे आत्मा के द्वारा होगा, मुझ सेनाओं के यहोवा का यही वचन है।"

उत्तरदायी अध्ययन: भजन संहिता 114: 1-7

1 जब इस्राएल ने मिस्र से, अर्थात याकूब के घराने ने अन्य भाषा वालों के बीच में कूच किया,
2 तब यहूदा यहोवा का पवित्र स्थान और इस्राएल उसके राज्य के लोग हो गए॥
3 समुद्र देखकर भागा, यर्दन नदी उलटी बही।
4 पहाड़ मेढ़ों की नाईं उछलने लगे, और पहाड़ियां भेड़- बकरियों के बच्चों की नाईं उछलने लगीं॥
5 हे समुद्र, तुझे क्या हुआ, कि तू भागा? और हे यर्दन तुझे क्या हुआ, कि तू उलटी बही?
6 हे पहाड़ों तुम्हें क्या हुआ, कि तुम भेड़ों की नाईं, और हे पहाड़ियों तुम्हें क्या हुआ, कि तुम भेड़- बकरियों के बच्चों की नाईं उछलीं?
7 हे पृथ्वी प्रभु के साम्हने, हां याकूब के परमेश्वर के साम्हने थरथरा।

पाठ उपदेश

बाइबल

1. जकर्याह 2: 13 (से :)

13 हे सब प्राणियों**!** यहोवा के साम्हने चुपके रहो**;**

2. दानिय्येल 3: 1 (से *1st* ,), 4-6, 8, 9, 12, 13 (से *1st* .), 14, 15 (यदि तुम पूजा करते हो)-19 (से :), 21, 24 (से ?), 25 (आरे)-28, 30

1 नबूकदनेस्सर राजा ने सोने की एक मूरत बनवाई, जिनकी ऊंचाई साठ हाथ, और चौड़ाई छ: हाथ की थी। और उसने उसको बाबुल के प्रान्त के दूरा नाम मैदान में खड़ा कराया।
4 तब ढिंढोरिये ने ऊंचे शब्द से पुकार कर कहा, हे देश-देश और जाति-जाति के लोगों, और भिन्न भिन्न भाषा बोलने वालो, तुम को यह आज्ञा सुनाई जाती है कि,
5 जिस समय तुम नरसिंगे, बांसुली, वीणा, सारंगी, सितार, शहनाई आदि सब प्रकार के बाजों का शब्द सुनो, तुम उसी समय गिर कर नबूकदनेस्सर राजा की खड़ी कराई हुए सोने की मूरत को दण्डवत करो।
6 और जो कोई गिरकर दण्डवत न करेगा वह उसी घड़ी धधकते हुए भट्ठे के बीच में डाल दिया जाएगा।

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

8 उसी समय कई एक कसदी पुरूष राजा के पास गए, और कपट से यहूदियों की चुगली खाई।
9 वे नबुकदनेस्सर राजा से कहने लगे, हे राजा, तू चिरंजीव रहे।
12 देख, शद्रक, मेशक, और अबेदनगो नाम कुछ यहूदी पुरूष हैं, जिन्हें तू ने बाबुल के प्रान्त के कार्य के ऊपर नियुक्त किया है। उन पुरूषों ने, हे राजा, तेरी आज्ञा की कुछ चिन्ता नहीं की; वे तेरे देवता की उपासना नहीं करते, और जो सोने की मूरत तू ने खड़ी कराई है, उसको दण्डवत नहीं करते॥
13 तब नबूकदनेस्सर ने रोष और जलजलाहट में आकर आज्ञा दी कि शद्रक मेशक और अबेदनगो को लाओ। तब वे पुरूष राजा के साम्हने हाजिर किए गए।
14 नबूकदनेस्सर ने उन से पूछा, हे शद्रक, मेशक और अबेदनगो, तुम लोग जो मेरे देवता की उपासना नहीं करते, और मेरी खड़ी कराई हुई सोने की मूरत को दण्डवत नहीं करते, सो क्या तुम जान बूझकर ऐसा करते हो?
15 ... और यदि तुम दण्डवत ने करो तो इसी घड़ी धधकते हुए भट्ठे के बीच में डाले जाओगे; फिर ऐसा कौन देवता है, जो तुम को मेरे हाथ से छुड़ा सके?
16 शद्रक, मेशक और अबेदनगो ने राजा से कहा, हे नबूकदनेस्सर, इस विषय में तुझे उत्तर देने का हमें कुछ प्रयोजन नहीं जान पड़ता।
17 हमारा परमेश्वर, जिसकी हम उपासना करते हैं वह हम को उस धधकते हुए भट्टे की आग से बचाने की शक्ति रखता है; वरन हे राजा, वह हमें तेरे हाथ से भी छुड़ा सकता है।
18 परन्तु, यदि नहीं, तो हे राजा तुझे मालूम हो, कि हम लोग तेरे देवता की उपासना नहीं करेंगे, और न तेरी खड़ी कराई हुई सोने की मूरत को दण्डवत करेंगे॥
19 तब नबूकदनेस्सर झुंझला उठा, और उसके चेहरे का रंग शद्रक, मेशक और अबेदनगो की ओर बदल गया। और उसने आज्ञा दी कि भट्ठे को सातगुणा अधिक धधका दो।
21 तब वे पुरूष अपने मोजों, अंगरखों, बागों और और वस्त्रों सहित बान्धकर, उस धधकते हुए भट्ठे में डाल दिए गए।
24 तब नबूकदनेस्सरे राजा अचम्भित हुआ और घबरा कर उठ खड़ा हुआ। और अपने मन्त्रियों से पूछने लगा, क्या हम ने उस आग के बीच तीन ही पुरूष बन्धे हुए नहीं डलवाए? उन्होंने राजा को उत्तर दिया, हां राजा, सच बात तो है।
25 फिर उसने कहा, अब मैं देखता हूं कि चार पुरूष आग के बीच खुले हुए टहल रहे हैं, और उन को कुछ भी हानि नहीं पहुंची; और चौथे पुरूष का स्वरूप ईश्वर के पुत्र के सदृश्य है॥
26 फिर नबूकदनेस्सर उस धधकते हुए भट्ठे के द्वार के पास जा कर कहने लगा, हे शद्रक, मेशक और अबेदनगो, हे परमप्रधान परमेश्वर के दासो, निकल कर यहां आओ! यह सुन कर शद्रक, मेशक और अबेदनगो आग के बीच से निकल आए।
27 जब अधिपति, हाकिम, गर्वनर और राजा के मन्त्रियों ने, जो इकट्ठे हुए थे, उन पुरूषों की ओर देखा, तब उनकी देह में आग का कुछ भी प्रभाव नहीं पाया; और उनके सिर का एक बाल भी न झुलसा, न उनके मोजे कुछ बिगड़े, न उन में जलने की कुछ गन्ध पाई गई।
28 नबूकदनेस्सर कहने लगा, धन्य है शद्रक, मेशक और अबेदनगो का परमेश्वर, जिसने अपना दूत भेज कर अपने इन दासों को इसलिये बचाया, क्योंकि इन्होंने राजा की आज्ञा न मान कर, उसी पर भरोसा रखा, और यह सोच कर अपना शरीर भी अर्पण किया, कि हम अपने परमेश्वर को छोड़, किसी देवता की उपासना वा दण्डवत न करेंगे।

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

30 तब राजा ने बाबुल के प्रान्त में शद्रक, मेशक, अबेदनगो का पद और ऊंचा किया॥

3. भजन संहिता 115: 1-9

1 हे यहोवा, हमारी नहीं, हमारी नहीं, वरन अपने ही नाम की महिमा, अपनी करूणा और सच्चाई के निमित्त कर।
2 जाति जाति के लोग क्यों कहने पांए, कि उनका परमेश्वर कहां रहा?
3 हमारा परमेश्वर तो स्वर्ग में हैं; उसने जो चाहा वही किया है।
4 उन लोगों की मूरतें सोने चान्दी ही की तो हैं, वे मनुष्यों के हाथ की बनाई हुई हैं।
5 उनका मुंह तो रहता है परन्तु वे बोल नहीं सकती; उनके आंखें तो रहती हैं परन्तु वे देख नहीं सकतीं।
6 उनके कान तो रहते हैं, परन्तु वे सुन नहीं सकतीं; उनके नाक तो रहती हैं, परन्तु वे सूंघ नहीं सकतीं।
7 उनके हाथ तो रहते हैं, परन्तु वे स्पर्श नहीं कर सकतीं; उनके पांव तो रहते हैं, परन्तु वे चल नहीं सकतीं; और अपने कण्ठ से कुछ भी शब्द नहीं निकाल सकतीं।
8 जैसी वे हैं वैसे ही उनके बनाने वाले हैं; और उन पर भरोसा रखने वाले भी वैसे ही हो जाएंगे॥
9 हे यहोवा के डरवैयो, यहोवा पर भरोसा रखो! तुम्हारा सहायक और ढाल वही है॥

4. लूका 4: 1 (से *1st* ,)

1 फिर यीशु पवित्रआत्मा से भरा हुआ, यरदन से लैटा;

5. लूका 8: 22-25

22 फिर एक दिन वह और उसके चेले नाव पर चढ़े, और उस ने उन से कहा; कि आओ, झील के पार चलें: सो उन्होंने नाव खोल दी।
23 पर जब नाव चल रही थी, तो वह सो गया: और झील पर आन्धी आई, और नाव पानी से भरने लगी और वे जोखिम में थे।
24 तब उन्होंने पास आकर उसे जगाया, और कहा; हे स्वामी! स्वामी! हम नाश हुए जाते हैं: तब उस ने उठकर आन्धी को और पानी की लहरों को डांटा और वे थम गए, और चैन हो गया।
25 और उस ने उन से कहा; तुम्हारा विश्वास कहां था? पर वे डर गए, और अचम्भित होकर आपस में कहने लगे, यह कौन है जो आन्धी और पानी को भी आज्ञा देता है, और वे उस की मानते हैं॥

6. 2 कुरिन्थियों 4: 1, 6

1 इसलिये जब हम पर ऐसी दया हुई, कि हमें यह सेवा मिली, तो हम हियाव नहीं छोड़ते।
6 इसलिये कि परमेश्वर ही है, जिस ने कहा, कि अन्धकार में से ज्योति चमके; और वही हमारे हृदयों में चमका, कि परमेश्वर की महिमा की पहिचान की ज्योति यीशु मसीह के चेहरे से प्रकाशमान हो॥

विज्ञान और स्वास्थ्य

1. 468: 9 (वहाँ)-15

पदार्थ में कोई जीवन, सत्य, बुद्धिमत्ता नहीं है, न ही पदार्थ। सब अनंत मन और उसकी अनंत अभिव्यक्ति है, भगवान के लिए सभी में है। आत्मा अमर सत्य है; मामला नश्वर त्रुटि है। आत्मा ही वास्तविक और शाश्वत है; पदार्थ असत्य और लौकिक है। आत्मा ईश्वर है, और मनुष्य उसकी छवि और समानता है। इसलिए आदमी भौतिक नहीं है; वह आध्यात्मिक है।

2. 302: 19-24

मनुष्य के पूर्ण, यहाँ तक कि पिता के रूप में भी पूर्ण होने का विज्ञान बताता है, क्योंकि आध्यात्मिक मनुष्य का आत्मा या मन, ईश्वर है, जो सभी का दिव्य सिद्धांत है, और क्योंकि यह वास्तविक व्यक्ति आत्मा के बजाय आत्मा के नियम द्वारा शासित है, न कि पदार्थ के तथाकथित नियमों द्वारा।

3. 139: 4-9

शुरुआत से लेकर अंत तक, पवित्रशास्त्र आत्मा, मन की बात की विजय से भरपूर है। मूसा ने मन की शक्ति को उसके द्वारा सिद्ध किया, जिसे पुरुषों ने चमत्कार कहा; तब यहोशू, एलिय्याह और एलीशा ने किया। संकेत और चमत्कार के साथ ईसाई युग की शुरुआत हुई।

4. 275: 1 (मामला)-6

पदार्थ के पास खोने के लिए कोई जीवन नहीं है, और आत्मा कभी नहीं मरती है। मन की साझेदारी से सर्वव्यापी और सर्वशक्तिमान मन की अनदेखी होगी। इससे पता चलता है कि ईश्वर, आत्मा में पदार्थ की उत्पत्ति नहीं हुई और वह शाश्वत नहीं है। इसलिए सामग्री न तो पर्याप्त है, न ही जीवित है, और न ही बुद्धिमान है।

5. 479: 8-17

मैटर न तो खुद से मौजूद है और न ही आत्मा का प्रोडक्ट है। अक्षिपटल पर दिखने वाली मानव विचार की छवि ही वह सब है जो आंख देखती है। मैटर देख नहीं सकता, महसूस नहीं कर सकता, सुन नहीं सकता, चख नहीं सकता, और न ही सूंघ सकता है। यह खुद को नहीं जानता,—खुद को महसूस नहीं कर सकता, खुद को देख नहीं सकता, और न ही खुद को समझ सकता है। तथाकथित इंसानी मन को हटा दें, जो मैटर के कथित सेल्फहुड को बनाता है, और मैटर मैटर को कोई कॉग्निजेंस नहीं ले सकता। क्या जिसे हम मरा हुआ कहते हैं, वह कभी देख, सुन, महसूस कर सकता है, या किसी भी फिजिकल सेंस का इस्तेमाल कर सकता है?

6. 274: 12-22

आत्मा की इंद्रियाँ प्रेम में निवास करती हैं, और वे सत्य और जीवन का प्रदर्शन करती हैं। इसलिए ईसाई धर्म और इसकी व्याख्या करने वाला विज्ञान आध्यात्मिक समझ पर आधारित है, और वे पदार्थ के तथाकथित नियमों का स्थान लेते हैं। यीशु ने इस महान सत्य का प्रदर्शन किया। जब हम गलती से जिसे पांच भौतिक इंद्रियां कहते हैं, वह

गलत दिशा में होती है, तो वे केवल नश्वर मन की प्रकट मान्यताएं होती हैं, जो पुष्टि करती हैं कि जीवन, पदार्थ और बुद्धि आध्यात्मिक के बजाय भौतिक हैं। ये झूठी मान्यताएँ और उनके उत्पाद शरीर का निर्माण करते हैं, और शरीर आत्मा के विरुद्ध युद्ध करता है।

7. 393: 4-10 (से *1st* .)

ऐसा प्रतीत होता है कि शरीर स्व-अभिनय कर रहा है, केवल इसलिए क्योंकि नश्वर मन स्वयं से, अपने कार्यों से और उनके परिणामों से अनभिज्ञ है, - इस बात से अनभिज्ञ है कि सभी बुरे प्रभावों का पूर्वगामी, दूरस्थ और रोमांचक कारण तथाकथित का कानून है नश्वर मन, पदार्थ का नहीं। मन शारीरिक इंद्रियों का स्वामी है, और बीमारी, पाप और मृत्यु को जीत सकता है।

8. 122: 1-14

भौतिक इंद्रियों के प्रमाण अक्सर होने के वास्तविक विज्ञान को उलट देते हैं, और इसलिए पाप, बीमारी, और मृत्यु को शक्ति प्रदान करते हुए, कलह का एक राज पैदा करता है; लेकिन जीवन के महान तथ्य, ठीक से समझे गए, त्रुटियों के इस त्रिकोण को पराजित करते हैं, उनके झूठे गवाहों का खंडन करते हैं, और स्वर्ग के राज्य को प्रकट करते हैं, यही पृथ्वी पर सद्भाव का वास्तविक शासनकाल है। यीशु के प्रदर्शनों से सौ साल पहले आत्मा की विज्ञान की भौतिक इंद्रियों को उलट दिया गया था; अभी तक ये तथाकथित इंद्रियां अभी भी नश्वर शरीर के लिए नश्वर मन को सहायक बनाती हैं, और पदार्थ के कुछ वर्गों, जैसे कि मस्तिष्क और नसों, दर्द और खुशी के स्थानों के रूप में बताती हैं, जिससे सामग्री इस तथाकथित दिमाग को बताती है सुख या दुख की स्थिति।

9. 543: 9-16

पांच शारीरिक इंद्रियां आत्मा का संज्ञान नहीं ले सकती हैं। वे उसकी उपस्थिति में नहीं आ सकते हैं, और स्वप्नभूमि में निवास करना चाहिए, जब तक कि नश्वर उस भौतिक जीवन को समझने के लिए नहीं पहुंचते, जब तक कि उसके सभी पाप, बीमारी और मृत्यु के साथ, एक भ्रम है, जिसके खिलाफ ईश्वरीय विज्ञान विनाश की लड़ाई में लगा हुआ है। अस्तित्व की महानताओं को कभी भी मिथ्यात्व से बाहर नहीं रखा जाता है।

10. 478: 14-23, 24-26

सवाल.—क्या दिमाग सोचता है, और क्या नसें महसूस करती हैं, और क्या चीज़ों में बुद्धि होती है?

जवाब.—नहीं, अगर भगवान सच हैं और इंसान झूठा है तो नहीं। यह दावा कि पदार्थ में दर्द या सुख हो सकता है, गलत है। वह शरीर सबसे ज़्यादा सामंजस्यपूर्ण होता है जिसमें प्राकृतिक कामों का शोधन सबसे कम उल्लेखनीय होता है। जब चीज़ें समझदार नहीं हैं और दिमाग के हिस्से सोच नहीं सकते, तो चीज़ों में बुद्धि कैसे रह सकती है? चीज़ें मन के काम नहीं कर सकतीं।...शुरू से आखिर तक, जो कुछ भी नश्वर है, वह इंसानी सोच से बना है और किसी और चीज़ से नहीं।

11. 273: 3-15, 21-28

भौतिक इंद्रियाँ ईश्वर और आध्यात्मिक सत्य का कोई संज्ञान नहीं ले सकती हैं। मानव विश्वास ने कई आविष्कार किए हैं, लेकिन उनमें से एक भी दिव्य विज्ञान के दिव्य सिद्धांत के बिना होने की समस्या को हल नहीं कर सकता है। सामग्री की परिकल्पना से कटौती वैज्ञानिक नहीं है। वे वास्तविक विज्ञान से भिन्न हैं क्योंकि वे ईश्वरीय नियम पर आधारित नहीं हैं।

क्योंकि सभी सत्य दिव्य मन से आगे बढ़ते हैं इसलिए कोई भौतिक विज्ञान नहीं है। इसलिए सत्य मानव नहीं है, और यह सामग्री का नियम नहीं है, क्योंकि सामग्री कानून का दाता नहीं है। विज्ञान दिव्य मन का एक प्रतीक है, और केवल भगवान की व्याख्या करने में सक्षम है। इसकी एक आध्यात्मिक उत्पत्ति है और एक सामग्री नहीं है। यह एक दिव्य उच्चारण है, दिलासा देने वाला जो सभी सत्य का नेतृत्व करता है।

भगवान ने आध्यात्मिक कानून को रद्द करने के लिए कभी भी एक भौतिक कानून का पालन नहीं किया। यदि ऐसा कोई भौतिक कानून होता, यह आत्मा, परमेश्वर की सर्वोच्चता के खिलाफ होगा, और यह निर्माता के ज्ञान को प्रभावित करेगा। यीशु लहरों पर चले गए, भीड़ को खिलाया, बीमारों को चंगा किया और भौतिक कानूनों के विरोध में मृतकों को उठाया। उनके कार्यों में विज्ञान का प्रदर्शन था, भौतिक बोध या कानून के झूठे दावों पर काबू पाने से।

12. 205: 7-12, 32-3

विश्वास करने की यह त्रुटि कब सामने आएगी कि भौतिकता में जीवन है, और यह पाप, बीमारी और मृत्यु ईश्वर की रचनाएँ हैं? यह कब समझा जाएगा कि सामग्री में न तो बुद्धिमत्ता है, जीवन है, न ही संवेदना है, और यह कि विपरीत विश्वास सभी दुखों का विपुल स्रोत है?

जब हम ईश्वर के साथ अपने संबंध को पूरी तरह समझ लेते हैं, तो हमारे पास ईश्वर के अलावा कोई दूसरा मन नहीं रह जाता - कोई दूसरा प्रेम, ज्ञान या सत्य नहीं, जीवन की कोई दूसरी भावना नहीं, और पदार्थ या त्रुटि के अस्तित्व की कोई चेतना नहीं।

दैनिक कर्तव्यों

मैरी बेकर एड्डी द्वारा

दैनिक प्रार्थना

प्रत्येक दिन प्रार्थना करने के लिए इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का कर्तव्य होगा: "तुम्हारा राज्य आओ;" ईश्वरीय सत्य, जीवन और प्रेम के शासन को मुझमें स्थापित करो, और मुझ पर शासन करो; और तेरा वचन सभी मनुष्यों के स्नेह को समृद्ध कर सकता है, और उन पर शासन करो!

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 4

उद्देश्यों और कृत्यों के लिए एक नियम

न तो दुश्मनी और न ही व्यक्तिगत लगाव मदर चर्च के सदस्यों के उद्देश्यों या कृत्यों को लागू करना चाहिए। विज्ञान में, दिव्य प्रेम ही मनुष्य को नियंत्रित करता है; और एक क्रिश्चियन साइंटिस्ट प्यार की मीठीसुविधाओं को दर्शाता है, पाप में डांटने पर, सच्चा भाईचारा, परोपकार और क्षमा में। इस चर्च के सदस्यों को प्रतिदिन ध्यान रखना चाहिए और प्रार्थना को सभी बुराईयों से दूर करने, भविष्यद्वाणी, न्याय करने, निंदा करने, परामर्श देने, प्रभावित करने या गलत तरीके से प्रभावित होने से बचाने के लिए प्रार्थना करनी चाहिए।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 1

कर्तव्य के प्रति सतर्कता

इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का यह कर्तव्य होगा कि वह प्रतिदिन आक्रामक मानसिक सुझाव से बचाव करे, और भूलकर भी ईश्वर के प्रति अपने कर्तव्य की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए, अपने नेता और मानव जाति के लिए। उनके कामों से उन्हें आंका जाएगा, — और वह उचित या निंदनीय होगा।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 6

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।